एडम वर्ड © ए.पी.- डब्ल्यू डब्ल्यू पी.

मिनेसोटा का व्यापार प्रतिनिधिमंडल

दीपांजली काकाती

तीन भारतीय शहरों में जाएगा गवर्नर टिम पालेंटी के नेतृत्व में व्यापार प्रतिनिधिमंडल

भारत में निवेश और व्यापार के अवसरों की संभावनाएं तलाशने के लिए मिनेसोटा के कारोबारी अगुआओं का व्यापार प्रतिनिधिमंडल अक्टूबर में गवर्नर टिम पालेंटी के नेतृत्व में नई दिल्ली, बेंगलूर और मुंबई की यात्रा करेगा।

गवर्नर पालेंटी कहते हैं, ''भारत में तेज़ आर्थिक विकास के चलते मांग में तेज़ी से बढ़ोतरी हो रही है। उपभोक्ता उत्पादों से लेकर प्रोफ़ेशनल सेवाओं तक, उच्च प्रौद्योगिकी से लेकर स्वास्थ्य की देखभाल तक, मशीनरी से लेकर संसाधित खाद्य पदार्थों तक संभावनाएं अपार हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम सीधे संपर्क स्थापित करें।''

वह कहते हैं कि मिनेसोटा के भारत के साथ व्यापार बढ़ाने के बहुत से कारणों में यहां का तेज़ी से बढ़ता बाज़ार, बढ़ती क्रयशक्ति वाला मध्य वर्ग और ऐसे विशाल युवा उपभोक्ताओं का आधार है जिनकी उच्च प्रौद्योगिकी उत्पादों और सेवाओं में दिलचस्पी बढ़ रही है।

20 से 27 अक्टूबर तक की यात्रा के दौरान करीब 30 कारोबारी अगुआओं को भारत को निर्यात बढ़ाने, भारतीय बाज़ार के बारे में सीधे जानकारी लेने और संपर्क स्थापित करने, और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग चैंबर (फिक्की) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) जैसे भारतीय कारोबारी संगठनों से नाता विकसित करने का अवसर मिलेगा। इस व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख भागीदारों में प्रौद्योगिकी के महारथी 3एम और आईबीएम कार्पोरेशन, विशेष रिटेल कंपनी बेस्ट बाय इंकार्पोरेशन, द्रव प्रबंधन एवं कलपुर्जा कंपनी ग्रैसो इंकार्पोरेशन और आईडी बैज और कार्ड बनाने वाली कंपनी डेटाकार्ड ग्रुप शामिल हैं।

एजेंडा में कई कार्यक्रम शामिल हैं: भारत के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, ऊर्जा क्षेत्र, स्वास्थ्य क्षेत्र पर प्रस्तुतियां और संभावित भारतीय भागीदारों और ग्राहकों के साथ चर्चाएं और बैठकें। प्रतिनिधिमंडल की योजना नई दिल्ली में फोर्टिस अस्पताल, बेंगलूर में आईबीएम सेंटर एवं विप्रो परिसर और मुंबई में टाटा समूह के दफ़्तर की यात्रा शामिल है।

वर्ष 2000 और 2005 के बीच मिनेसोटा से भारत को निर्मित वस्तुओं का निर्यात 208 फ़ीसदी बढ़ा है। वर्ष 2006 में मिनेसोटा का कुल निर्यात 15.2 अरब डॉलर रहा। भारत का योगदान 12 करोड़ 95 लाख डॉलर का रहा। प्रतिनिधिमंडल इसमें इजाफे की उम्मीद कर रहा है।

मिनेसोटा में भारतीय निवेश की भी बड़ी गुंजाइश है। वर्ष 2005 में भारतीय निवेशकों के पास अमेरिका में 1.36 अरब डॉलर की परिसंपत्तियां थीं। वर्ष 2002 में यह आंकड़ा महज 27 करोड़ 70 लाख डॉलर था। मिनेसोटा में भारतीय कंपनियों में सुजलॉन पवन ऊर्जा कंपनी और विप्रो टेक्नोलॉजीज शामिल हैं।

दल में गवर्नर का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा। इसमें राज्य के सेनेटर सतवीर चौधरी, अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधि एरिक पॉलसेन और मिनेसोटा के मुख्य सूचना अधिकारी गोपाल खन्ना शामिल हैं।

चौधरी कहते हैं, ''यह अनोखा अवसर है, सिर्फ मिनेसोटा के कारोबारियों के लिए नया बाज़ार तलाशने के मकसद से नहीं, बल्कि मिनेसोटा राज्य और भारत के लोगों के बीच ज़्यादा फलदायी मित्रता कायम करने के लिहाज से भी। उन्होंने हरियाणा और मिनेसोटा के बीच सिस्टर स्टेट का समझौता कराने में मदद की। उनका परिवार हरियाणा से ही है।

राज्य के सेनेटर सतवीर चौधरी

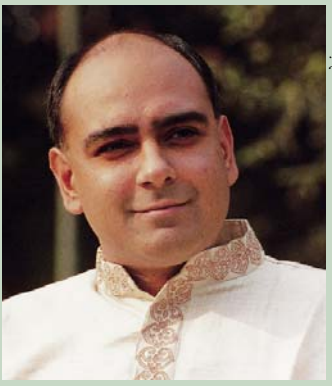

हेमंत भटनागर

चौधरी कहते हैं कि भारत का मध्य वर्ग अमेरिका की संपूर्ण जनसंख्या से बड़ा है। ऐसे में ये उपभोक्ता दुनिया में सबसे बड़ा ऐसा समूह है जिसे बाज़ार के लिहाज से अभी तक पूरी तरह छुआ नहीं गया है। वह कहते हैं, ''इस तरह की पहल करके कारोबारी रिश्ते बनाने से मैं जानता हूं कि मिनेसोटा अच्छा प्रदर्शन करेगा।''